व्यवसायिक प्रबंधन में स्नातक
(बी. बी. ए.आर. आई. एल.)

सत्रीय कार्य
2025

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जनवरी 2025 से 30th दिसम्बर, 2025

षष्टम सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –**1100 68**

वाणिज्य में स्नातक (बी. कॉम. – जी)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

सत्रीय कार्य

2025

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, आपको प्रत्येक अवधि में एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य करना होगा ।

हम **BRL-115 & BCOS-184** सत्रीय कार्य भेज रहे हैं ।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो जून 2025 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें 15 मार्च 2025 तक जमा करवाना होगा।
2. वे छात्र जो दिसम्बर 2025 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे 15 अक्टूबर 2025 तक जमा करवायें।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**बी. आर. एल. – 115**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**खुदरा व्यापर में आपूर्ति श्रृखला प्रबंधन**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**बी. आर. एल. – 115/टी. एम. ए./2025**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

क) **लघु प्रकार के प्रश्न**

1. ई-कॉमर्स को परिभाषित करें। व्यावसायिक मॉडल और पारंपरिक खुदरा व्यापर पर इसके लाभों को समझाएं। (10)

2. आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन की अवधारणा को एक उपयुक्त उदाहरण के साथ समझाएँ। (10)

3. जब कोई कंपनी कई विक्रेताओं के साथ काम करती है, तो प्रभावी संबंधों के प्रबंधन के लिए उन्हें खंडो में विभाजित और वर्गीकृत करना महत्वपूर्ण होता है। क्रालजिक मैट्रिक्स के माध्यम से समझाएँ। (10)

4. आईओटी (IOT) को परिभाषित करें। आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में आईओटी के महत्व कीभी व्याख्या करें। (10)

5. **निम्नलखित के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए:** (4X5)

क) इन्वेंट्री का ए बी सी (ABC) , फ स न (FSN) और वी इ डी (VED) वर्गीकरण
ख) ओमनीचैनल विपणन और मल्टीचैनल विपणन
ग) रिवर्स लॉजिस्टिक्स और वैल्यू रिकवरी
घ) केंद्रीकृत संचार और अनुबंध प्रबंधन

6. **निम्नलिखित पर संक्षेप में नोट लिखें:** (4X5)

क) सतत: क्रॉस-डॉकिंग
ख) परिवहन विधियाँ
ग) रख – रखाव (Put away) प्रक्रिया
घ) आपूर्तिकर्ता विविधीकरण

(ख) निबंध प्रकार के प्रश्न

7. आपूर्ति श्रृंखला सहयोग में आईटी एकीकरण को परिभाषित करें। आपूर्ति श्रृंखला सहयोग के शीर्ष पाँच लाभों की भी व्याख्या करें। (10)

8. वे कौन से संभावित व्यवधान हैं जो अंतरराष्ट्रीय स्टोर और खुदरा व्यापार में नुकसान का कारण बन सकते हैं? भू-राजनीतिक परिवर्तन किस प्रकार व्यवधान पैदा करते हैं। व्याख्या करें। (10)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. एस. -184**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**ई कॉमर्स**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. एस. -184/टी. एम. ए./2025**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – क

1. ई- कॉमर्स के विकास की व्याख्या करें। **(10)**

2. ई- कॉमर्स समाधान डिज़ाइन करने के सिस्टम विकास जीवन चक्र (SDLC) के पांच प्रमख चरणों पर चर्चा करें। **(10)**

3. साइबर सुरक्षा क्या है? आज के डिजिटल रूप से जुड़े विश्व में इसका महत्व बताएं। **(10)**

4. खुदरा मिश्रण के 7Cs के बारे में बताएं। **(10)**

5. ऐप विकास प्रक्रिया के विभिन्न चरणों का वर्णन करें। **(10)**

खण्ड – ख

6. ई- कॉमर्स के क्या फायदे हैं? **(6)**

7. ई- कॉमर्स व्यवसायों पर महामारी का क्या प्रभाव पड़ा है ? **(6)**

8. ई- कॉमर्स राजस्व मॉडल क्या हैं? उनके विभिन्न प्रकारों की व्याख्या करें। **(6)**

9. एन ई एफ टी (NEFT), आर टी जी एस (RTGS) और आई एम पी एस (IMPS) में क्या अंतर है? **(6)**

10. एच टी टी पी (HTTP) और एच टी टी पी एस (HTTPS) के बीच अंतर बताएं। **(6)**

खण्ड – ग

11. पारम्परिक भुगतान और ई भुगतान के बीच अंतर बताएं। **(5)**

12. ई- कॉमर्स पर उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रभाव पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। **(5)**

13. एक आभासी मुद्रा की विषेशताएं क्या हैं? **(5)**

14. ई- नीलामी का महत्त्व स्पष्ट करें। **(5)**